सान्ध्य हिन्दी दैनिक जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 102 | जौनपुर, सोमवार, 02 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

केजरीवाल ने दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावना से इनकार किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने फरवरी में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन की संभावना से रविवार को इनकार किया। केजरीवाल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, "दिल्ली में कोई गठबंधन नहीं होगा।" 'आप' और कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा हैं। दोनों दलों ने इस साल की शुरुआत में दिल्ली में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था, लेकिन किसी भी सीट पर गठबंधन को जीत नहीं मिली थी और सभी सात सीट भाजपा ने जीती थीं। अक्टूबर में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले 'आप' और कांग्रेस के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद सीट बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी।

रोहडू में सरकारी कॉलेज का नाम बदलकर वीरभद्र सिंह के नाम पर रखा जाएगा : सुक्खू

नई दिल्ली,(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को शिमला जिले के रोहडू स्थित राजकीय महाविद्यालय सीमा का नाम बदलकर छह बार मुख्यमंत्री रहे दिवंगत वीरभद्र सिंह के नाम पर रखने की घोषणा की। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से संबद्ध इस महाविद्यालय के वार्षिक समारोह में सुक्खू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अगले शैक्षणिक सत्र से बी.एड पाठ्यक्रम शुरू करने की भी घोषणा की। छात्रावास निर्माण के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महाविद्यालय में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण शीघ्र शुरू होगा। यहां जारी एक बयान में कहा गया कि सुक्खू ने रोहडू विधानसभा क्षेत्र के लोगों को 100.95 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी समर्पित कीं।

शामली में पैसे के विवाद में महिला की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। शामली के कैराना की एक त्वरित अदालत ने उधार के पैसे मांगने पर एक महिला की चाकू घोंपकर हत्या के करीब चार साल पुराने मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जला शासकीय अधिवक्ता (डीजीसी) संजय चौहान ने शनिवार को बताया कि न्यायाधीश ऋतु नागर की अदालत ने दोषी लाल सिंह पर अनीता नामक महिला की हत्या के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। चौहान के अनुसार, यह घटना 11 सितंबर 2020 को शामली जिले के गहरी पुखरा थाना क्षेत्र के भेंसवाक गांव में हुई थी। उन्होंने कहा कि घटना वाली रात को अनीता अपने घर में अकेली सो रही थी, तभी लाल सिंह ने उस पर हमला किया और चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी।

'दहेज प्रथा पर कुठाराघात है सामूहिक विवाह योजना', 1209 जोड़े बंधे विवाह के बंधन में : सीएम योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के समाज कल्याण विभाग की तरफ से होने वाला मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम एक तरफ सामाजिक समता का प्रतीक है तो वहीं दूसरी तरफ यह समाज की बड़ी विकृति दहेज प्रथा पर प्रहार भी है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र, भाषा का कोई बंधन नहीं है। हिंदू, मुस्लिम या अन्य मतावलंबी, सभी अपनी–अपनी परंपरा के अनुरूप विवाह के पवित्र बंधन में जुड़ रहे हैं। साथ ही यह कार्यक्रम दहेज, बाल विवाह और अश्पृश्यता के खिलाफ सरकार द्वारा शुरू की गई एक लड़ाई और अभियान भी है। सीएम योगी रविवार को हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन

लिमिटेड (खाद कारखाना) के परिसर में 1200 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कई बार दहेज के कारण योग्य कन्याएं विवाह बंधन से नहीं जुड़ पाती थीं, ऐसे में सामूहिक विवाह कार्यक्रम से जुड़ने वाले सभी युवक–युवतियों ने दहेज न ले–दे कर समाज में आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वर्ष 2017 से अब तक सात साल में 3 लाख 84 हजार शादियां करा चुकी है। यह सत्र संपन्न होने पर यह संख्या 4 लाख से अधिक हो चुकी होगी। सीएम योगी ने कहा कि गरीब बेटियों को दहेज के भेड़ियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह के कार्यक्रम हर जिले में हो रहे हैं। सरकार की मंशा है कि कोई बेटी दहेज के कारण अनव्याही न रहे। इसके लिए ही सामूहिक विवाह कार्यक्रम को अभियान रूप में चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब अच्छी सरकार होती है तो अच्छे कार्य होते हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अच्छे कार्यों की श्रृंखला खड़ी कर दी। महिलाओं के लिए बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसी योजना चलाई, नारी गरिमा की रक्षा के लिए गांव–गांव, घर–घर व्यक्तिगत शौचालय बनवाए। मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए, मुफ्त राशन और जिनके पास आवास नहीं तेज उन्हें आवास दिए। बीमारी के उपचार के लिए पांच लाख रुपये तक के इलाज लिए आयुष्मान कार्ड दिए। जबकि पहले घरों में शौचालय न होने से नारी गरिमा पर आंच आती थी। लकड़ी और कोयले के धुएं से निकलने वाली खतरनाक गैस से महिलाओं की आंख और फेफड़े खराब होते थे। आज हर घर सिलेंडर होने से यह दिक्कत दूर हो ही गई है, साथ ही सरकार दिवाली और होली में मुफ्त सिलेंडर दे रही है। सीएम ने कहा कि सरकार हर तबके को लाभान्वित कर रही है। श्रमिकों के बच्चों की मुफ्त शिक्षा के लिए अटल आवासीय विद्यालय चल रहे हैं, निराश्रित, दिव्यांगजन आदि 1 करोड़ लोगों को 12 हजार रुपये सालाना पेंशन दिया जा रहा है। कन्या सुमंगला योजना के तहत 20 लाख बेटियों के स्वावलंबन के लिए 25 हजार रुपये का पैकेज दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने नगालैंड के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को नगालैंड के लोगों को उनके राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई दी और आने वाले समय में राज्य की निरंतर प्रगति की कामना की। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''नगालैंड के लोगों को उनके राज्य

के स्थापना दिवस पर बधाई। नगालैंड की समृद्ध संस्कृति और इसके लोगों के बेहतरीन स्वभाव के कारण राज्य की व्यापक रूप से प्रशंसा की जाती है।'' उन्होंने कहा, ''नगा संस्कृति कर्तव्य और करुणा की अपने भावना के लिए जानी जाती है। आने वाले समय में नगालैंड की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना करता हूं।'' नगालैंड का गठन 1963 में आज ही के दिन हुआ था।

राष्ट्रपति ने नगालैंड के लोगों को राज्य के स्थापना दिवस पर बधाई दी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को नगालैंड के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि विकास के विभिन्न मानदंडों पर राज्य द्वारा की गई प्रगति सराहनीय है। पूर्वोत्तर राज्य

नगालैंड का गठन 1963 में आज ही के दिन हुआ था। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''राज्य स्थापना दिवस पर नगालैंड के लोगों को बधाई। वनस्पतियों और जीवों की समृद्ध विरासत से संपन्न नगालैंड वीरता की भूमि भी है। विकास के विभिन्न मापदंडों में नगालैंड की प्रगति सराहनीय है। इस खूबसूरत राज्य के लोगों को शांतिपूर्ण, समृद्ध और प्रगतिशील भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

प्रियंका गांधी आज वायनाड में जनसभाओं को संबोधित करेंगी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा अपने भाई एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ आज यानी रविवार को वायनाड में संयुक्त रूप से जनसभाओं को संबोधित करेंगी। वायनाड से अपनी पहली चुनावी जीत के बाद प्रियंका केरल के दो दिवसीय दौरे पर हैं। पार्टी नेताओं ने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार, प्रियंका सुबह साढ़े 10 बजे मनंतवाड़ी, अपराह्न सवा 12 बजे सुल्तान बत्तेरी और अपराह्न डेढ़ बजे कलपेट्टा में जनसभाओं को संबोधित करेंगी। अपनी यात्रा के पहले दिन शनिवार को प्रियंका ने राहुल गांधी के साथ तिरुवंबाड़ी

के मुक्कम, नीलांबुर के करुलई, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों के वंदूर और एडवन्ना में जनसभाओं में भाग लिया। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में वायनाड जिले में मनंतवाड़ी (अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित), सुल्तान बत्तेरी (अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित) तथा कलपेट्टा, कोझिकोड जिले में तिरुवंबाड़ी और मलप्पुरम जिले में एरानाड, नीलांबुर और वंदूर की सात विधानसभा सीट शामिल हैं। प्रियंका ने हालिया वायनाड लोकसभा उपचुनाव में 4,10,931 मतों के भारी अंतर से जीत हासिल कर अपनी पहली चुनावी जीत दर्ज की।

परिवर्तन के पथप्रदर्शक के रूप में युवा भारत की विकास गाथा का नेतृत्व करेंगे : ओम बिरला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। फरीदाबाद में मानव रचना विश्वविद्यालय के 27वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि आज के युवाओं में अपार ऊर्जा, नवीन क्षमताएं और आमूलचूल परिवर्तन लाने की क्षमता है जो समय की मांग है। बिरला ने कहा कि 21वीं सदी भारत और उसके युवाओं की है, जो दुनिया भर के देशों में नवाचार क्रांति ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खुला संवाद और चर्चाएं देश की प्रगति के केंद्र में रही हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को

दुनिया को बेहतर बनाने के लिए अपनी ऊर्जा और दृढ़ संकल्प का उपयोग करना चाहिए। वैश्विक मंच पर भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश महानता हासिल करने वाला है और इसकी युवा पीढ़ी इस परिवर्तन में सबसे आगे है।

कांग्रेस लिखकर दे तो असम में गोमांस पर प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी ,(एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन कुमार बोरा उन्हें पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वह ऐसा करने के लिए तैयार हैं। मुस्लिम बहुल सामगुड़ी विधानसभा सीट पर हुआ उपचुनाव जीतने के लिए भाजपा पर लगे गोमांस वितरित करने के आरोप पर प्र शर्मा ने शनिवार को यहां भाजपा की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''सामगुड़ी सीट 25 साल तक कांग्रेस के पास रही। सामगुड़ी जैसे निर्वाचन क्षेत्र में 27,000 मतों के अंतर से हारना कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी शर्म की बात है। यह भाजपा की जीत से

ज्यादा कांग्रेस की हार है।'' पिछले महीने हुए उपचुनाव में भाजपा के दिप्लू रंजन शर्मा ने कांग्रेस सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील को 24,501 मतों के अंतर से हराया था। सांसद की कथित टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''दुख के बीच रकीबुल हुसैन ने एक अच्छी बात कही कि गोमांस खाना गलत है, है न? उन्होंने कहा है कि मतदाताओं को गोमांस परोसकर कांग्रेस–भाजपा का चुनाव जीतना गलत है।'' शर्मा ने सवाल किया, ''मैं जानना चाहता हूं कि क्या कांग्रेस मतदाताओं को गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीत रही थी। वह सामगुड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। क्या इसका मतलब यह है कि गोमांस की पेशकश करके सामगुड़ी जीता जा सकता है?'' शर्मा ने कहा, ''मैं रकीबुल हुसैन से कहना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने खुद कहा है कि यह गलत है। उन्हें मुझे केवल लिखित में देने की जरूरत है कि न तो भाजपा और न ही कांग्रेस को गोमांस के बारे में बोलना चाहिए, बल्कि असम में इसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

महाराष्ट्र में सरकार गठन में हो रही देरी पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल, भाजपा पर साधा निशाना

महाराष्ट्र ,(एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने सरकार के गठन में हो रही देरी की आलोचना की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह महाराष्ट्र का अपमान है। आदित्य ने रविवार को सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने महायुति सरकार पर निशाना साधा और राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन नहीं लगाए जाने पर सवाल उठाया। आदित्य ने लिखा, श्परिणाम आने के एक सप्ताह से अधिक समय तक मुख्यमंत्री का चयन न कर पाना और सरकार न बना पाना न केवल महाराष्ट्र का अपमान है (हमारे राज्य को इतने हल्के में लेने के लिए) बल्कि उनके सबसे प्रिय चुनाव आयोग द्वारा दी गई सहायता का भी।श उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि नियम केवल विपक्षी दलों पर लागू होते हैं, जबकि कुछ विशेष दलों पर नियम लागू नहीं होते। महायुति के सबसे बड़े घटक भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने लिखा, शबिना सरकार बनाने का दावा किए और माननीय राज्यपाल को संख्याबल दिखाए बिना, एकतरफा शपथ ग्रहण की तिथि घोषित करना पूरी तरह अराजकता है। और इस सब के बीच, कार्यवाहक मुख्यमंत्री चंद्रमा की कला के अनुसार एक छोटी छुट्टी पर हैं, जैसा कि हमने पहले भी नियमित रूप से देखा है।श आदित्य ने आगे लिखा, श्इस बीच, महाराष्ट्र उन लोगों के लिए कोई प्राथमिकता नहीं है।

केरल में एचआईवी संक्रमितों की संख्या कम होने के बावजूद संक्रमण की आशंका अधिक : विजयन

तिरुवनंतपुरम,(एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि दक्षिणी राज्य में एचआईवी प्रभावित व्यक्तियों का घनत्व कम है, लेकिन यहां संक्रमण की संभावना बहुत अधिक है। विजयन ने 'विश्व एड्स दिवस' घ्के अवसर पर फेसबुक पर एक 'पोस्ट' में कहा कि रोग रोकथाम गतिविधियां और जागरूकता कार्यक्रमों का बहुत महत्व है और राज्य सरकार इस रोग को दूर रखने के लिए विभिन्न कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दिन दुनिया भर में एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के पुनर्वास में जन भागीदारी सुनिश्चित करने और बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए कदम उठाने की याद दिलाता है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के अनुसार, ऐसी स्थिति बनाना आवश्यक है, जहां 2030 तक बीमारी के नये मामले न हों। उन्होंने कहा कि केरल इस लक्ष्य को बहुत पहले ही हासिल कर लेगा। उन्होंने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार इसके तहत ''ओन्नायी पूजायथिलेक्क'' (जिसका मोटे तौर पर अनुवाद एक साथ शून्य है) अभियान के माध्यम से व्यापक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''हम 2025 तक 95रू95रू95 के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं। इसका पहला भाग प्रभावित व्यक्तियों को उनकी स्थिति का एहसास कराना है।'' उन्होंने कहा कि दूसरा लक्ष्य एचआईवी संक्रमित पाए गए लोगों में से 95 प्रतिशत के लिए 'एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी' (एआरटी) उपचार सुनिश्चित करना है और तीसरा लक्ष्य उनके बीच वायरस के प्रसार को नियंत्रित करना है। उन्होंने 2024 के आंकड़े का हवाला देते हुए कहा कि केरल पहले ही दूसरे और तीसरे लक्ष्य को हासिल कर चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य व्यापक परियोजना को बड़ी सफलता दिलाना है। मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि हालांकि केरल एक ऐसा राज्य है जहां एचआईवी प्रभावित व्यक्तियों का घनत्व कम है, फिर भी यहां संक्रमण की संभावना बहुत अधिक है। उन्होंने सभी से बीमारी के खिलाफ लड़ाई में मिलकर काम करने का आग्रह भी किया।

मुख्यमंती आतिशी ने की बस मार्शलों की फिर से नियुक्ति की मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने रविवार को उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना को पत्र लिखकर आग्रह किया कि महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राजधानी की बसों में मार्शल की पुनरू नियुक्ति की जाए। मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने में मार्शलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। आतिशी ने पत्र में लिखा, ''जब तक मार्शल तैनात नहीं हुए थे तो बसों में यात्रा के दौरान महिलाओं को हर दिन परेशानी झेलनी पड़ती थी। कई महिलाओं को सुरक्षा का डर था और कई महिलाओं को उत्पीड़न या छेड़छाड़ का सामना करना पड़ा। बसों में 10,000 से अधिक मार्शल की तैनाती ने इस माहौल को बदला।'' पत्र में दावा किया गया कि दिल्ली सरकार द्वारा तैनात मार्शल बदमाशों को पकड़ने और छेड़छाड़ तथा उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे, लेकिन 31 अक्टूबर 2023 को उन्हें अचानक हटा दिया गया और उनका वेतन रोक दिया गया। मुख्यमंत्री कहा कि यह ''साजिश'' का हिस्सा है। आतिशी ने दिल्ली सरकार के कुछ अधिकारियों पर सुरक्षा उपायों को खोखला करने के लिए केंद्र के इशारे पर काम करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की जगह उन्हें उच्च पदों पर तैनात किया गया। मुख्यमंत्री ने मार्शलों को बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने में देरी पर अफसोस जताया और कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा मार्शलों की पुनरू नियुक्ति के लिए प्रस्ताव भेजे हुए दो सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। आतिशी ने कहा, ''सरकार, इन मार्शलों के

परिवार और दिल्ली की महिलाएं आपकी मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।'' पत्र में कहा गया कि 12 नवंबर को दिल्ली के मंत्रियों द्वारा सर्वसम्मति से पारित पुनरू नियुक्ति के प्रस्ताव का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बसों में मार्शलों को उनकी महत्वपूर्ण भूमिका में वापस लाना है। इसमें कहा गया, ''इन मार्शलों को हटाकर, आपने न केवल उनकी आजीविका छीन ली है ।

संपादकीय

पाठ्यक्रम में रचनात्मकता का महत्व

हम की दुनिया में कौशल ज्ञान के दायरे को बढ़ाना लगभग सभी पेशेवरों व युवाओं की मांग है। जिस दोगुनी गति से लोगों के लिए एवरग्रीन सेक्टर में नौकरी की संभावनाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए हमें एक बेहतर कॅरिअर निर्माण के लिए खुद को नई तकनीकों के अनुरूप ढालने व यूं कहे परिचित होने की नितांत आवश्यकता है। बेहतर कॅरिअर ग्रोथ के लिए लाजमी है कि आप स्वयं के लिए नए विकल्प तलाशें और खुद से प्रश्न करें कि कैसे आप जीवन में नए कौशलों से अपग्रेड हो सकते हैं। कविताओं से बेहतर कॅरिअर पर प्रभाव डालने वाले कौशल अगर आप कॅरिअर के अभी शुरुआती दौर में हैं तो सबसे पहले आपको यह जानना होगा कि कौन से कौशल की इस डिजिटल दुनिया में अधिक मांग है और यह कैसे आपके दीर्घकालीन जीवन में प्रभाव डाल सकते हैं। दरअसल डिजिटल माहौल के तेजी से बदलते इस दौर में कौशल की मांग को पहचानने का यह पहला कदम है। जब आप स्वयं के विकास के लिए कौशल की पहचान कर लेते हैं, तब आप खुद के लिए आत्म–विकास की दिशा में सही कौशल का चुनाव कर पाने में भी कामयाब हो जाते हैं। ।सेव त्मंक – भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव के लिए भाग्यशाली जोड़ी मौजूदा कौशल व पसंदीदा कॅरिअर का मेल कौशल सेट को बढ़ाने के लिए आपको यह समझना भी बेहद जरूरी है कि आपके मौजूदा कौशल और अनुभव आपके पसंदीदा कॅरिअर के साथ मेल खाते हैं या नहीं। साथ ही क्या आपके पास उन कौशलों की कमी है जो आपके पसंदीदा कॅरिअर मार्ग के साथ मेल खाते हैं? अक्सर जब भी आप यह सवाल खुद से पूछते हैं तो आपको यह समझने में मदद मिलती है कि अभी किन कौशलों को विकसित करने की आवश्यकता है। विभिन्न स्रोतों से सीखें कौशल कौशल ज्ञान के दायरे को बढ़ाने के लिए उपलब्ध स्रोतों की जांच करना आपके लिए बेहद जरूरी है। आपका यह मूल्यांकन करना भी जरूरी है कि कौन से ऑनलाइन कोर्स, वर्कशॉप या प्रमाणपत्र की मदद से आप भविष्य के लिए नए कौशल के अवसर का विकास कर सकते हैं। सही मेंटर का करें चुनाव किसी क्षेत्र के बारे में जानकारी लेनी हो या कॅरिअर ग्रोथ के लिए मशविरा एक मैटर दोनों ही परिस्थितियों में आपका साथ बखूबी निभाता है। मेंटर द्वारा दिए जाने वाले सुझाव आपके कॅरिअर का सही चुनाव कर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। इसलिए अगर आप सही मॅटर का चुनाव करते हैं तो यह न केवल आपको भविष्य में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मदद करता है, बल्कि आपका व्यक्तिगत विकास करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट ख पाठ्यक्रम में रचनात्मकता का महत्व विजय गर्ग (शिक्षा में रचनात्मकता ज्ञान को नवाचार में बदलने, शिक्षार्थियों को सोचने, अन्वेषण करने और जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उत्प्रेरक है) विजय गर्ग जैसे–जैसे शिक्षा की दुनिया विकसित हो रही है, एक आम सहमति उभर रही है कि शिक्षा के भविष्य को परिभाषित करने के लिए रचनात्मकता आवश्यक है। पाठ्यपुस्तकों और मानकीकृत मूल्यांकनों पर भरोसा करने के बजाय, छात्रों की क्षमता को उजागर करने के साधन के रूप में पाठ्यक्रम के प्रति रचनात्मक दृष्टिकोण तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। रचनात्मकता न केवल एक कला है बल्कि एक संज्ञानात्मक क्षमता भी है जो कई विषयों तक फैली हुई है और छात्रों को महत्वपूर्ण सोच और समस्या–समाधान कौशल विकसित करने में सक्षम बनाती है। शिक्षक एक ऐसा वातावरण बना सकते हैं जो शैक्षिक पाठ्यक्रम में रचनात्मक तत्वों को शामिल करके शिक्षार्थियों को विभिन्न नवाचारों और कौशल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक रचनात्मक पाठ्यक्रम विविध शिक्षण शैलियों और प्राथमिकताओं को समायोजित करता है। छात्रों को अपनी शैक्षिक यात्रा में स्वायत्तता और वैयक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देते हुए,।

व्यवस्था में पारदर्शिता से दूर होगा कुपोषण

हाल ही में इंडियन कौंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनामिक रिलेशंस द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया है कि देश पीडीएस के तहत भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए गए अनाज का 28 फीसदी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच पाता है। यानी सालाना करीब दो करोड़ टन अनाज का लीकेज होता है। अर्थव्यवस्था को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। इस वजह से सालाना करीब 69 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का आर्थिक नुकसान होता है। चालू वित्त वर्ष 2024–25 के लिए केंद्र सरकार का खाद्य सब्सिडी बिल 2.05 लाख करोड़ रुपये का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2016 से राशन की दुकानों में पाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों की शुरुआत से लीकेज में कमी आई है। वर्ष 2011–12 की खपत संख्या के आधार पर शांता कुमार समिति ने कहा था कि पीडीएस व्यवस्था में करीब 46 फीसदी लीकेज है। यद्यपि इस समय इस लीकेज में कमी आई है, लेकिन यह अभी भी काफी अधिक है। ऐसे में जरूरी है कि पीडीएस के लिए बेहतर निगरानी और संरचनात्मक सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। देश में गरीबों पर केंद्रित लक्षित पीडीएस की शुरुआत जून, 1997 में हुई है। इस समय दुनिया में भारत सबसे बड़ी सार्वजनिक राशन वितरण प्रणाली के लिए जाना जाता है। देश भर में मौजूदा पांच लाख से अधिक उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से निरूशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जाता है। खासतौर से सितंबर, 2013 में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के पारित होने के साथ ही पीडीएस व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यह अधिनियम देश की 67 फीसदी आबादी को अपने दायरे में लेता है। सरकार के द्वारा कोविड–19 महामारी के दौरान वंचित वर्गों के पात्र लोगों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त अनाज दिया जाने लगा है और तब से लगातार अब तक केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत देश के 81.35 करोड़ लोगों को निरूशुल्क खाद्यान्न मुहैया करा रही है। सरकार ने वर्ष 2028 तक इस योजना का लाभ सुनिश्चित किया है। देश में कमजोर वर्ग के लोगों को व्यवस्थित रूप से निरूशुल्क खाद्यान्न वितरित किए जाने में पीडीएस की अहम भूमिका है। इससे गरीबी में कमी आ रही है। कई प्रमुख वैश्विक संगठनों के द्वारा उनकी रिपोर्टों में भारत में बहुआयामी गरीबी घटाने में 81 करोड़ से अधिक लोगों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत मुफ्त खाद्यान्न दिए जाने और उससे गरीब वर्ग की उत्पादकता बढ़ने के निष्कर्ष भी दिए गए हैं। अमेरिकी के प्रसिद्ध थिंक टैंक द ब्रूकिंग्स इंस्टिट्यूशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां वर्ष 2011–12 में भारत की 12.2 फीसदी आबादी अत्यधिक गरीब थी, वहीं यह वर्ष 2022–23 में घटकर महज दो फीसदी ही रह गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों की उत्पादकता वृद्धि, तेज विकास और असमानता में कमी के चलते भारत को यह कामयाबी मिली है। लेकिन अभी भी कमजोर वर्ग तक निरूशुल्क गेहूं और चावल के अलावा पोषण युक्त श्रीअन्न यानी मिलेट्स की उपयुक्त आपूर्ति न होने से करोड़ों लोग पोषण सुरक्षा के मद्देनजर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में प्रकाशित ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2024 में भारत 127 देशों में 105वें नंबर पर है। लेकिन भारत के लिए अभी भी हंगर इंडेक्स का स्कोर 27.3 है जो गंभीर बना हुआ है।

जलवायु संरक्षण की आधी-अधूरी कोशिशें

दिनेश सी. शर्मा

बाकू में संपन्न जलवायु वार्ता का नवीनतम दौर (कॉप–29) एक विवादित समझौते के साथ समाप्त हुआ। उम्मीद थी कि इसमें मुख्य विषय जलवायु सुधार के वास्ते वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित रहेगा। यह संदर्भ स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण को लेकर है ताकि जलवायु परिवर्तनों पर लगाम लग पाए और सुधार कार्य अपनाए जाएं। दशकों से, विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में प्रभावी उपाय करने के वास्ते अतिरिक्त धन की मांग करते आए हैं। विकासशील देश चाहते हैं कि अमीर देश अधिक जिम्मेदारी उठाएं क्योंकि वर्तमान संकट के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार वही हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद से उत्तरी गोलार्ध के देशों से हुआ ऐतिहासिक उत्सर्जन ही जलवायु संकट का कारण बना है। जलवायु परिवर्तन सुधार फंड की मात्रा और इसका स्रोत लंबे समय से विकसित और विकासशील देशों के बीच विवाद का विषय रहा है। इस पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में, बाकू वार्ता में एक अच्छा समझौता बनने की आशा जगी थी। वार्ता के निष्कर्ष में, विकासशील देशों को हर साल जलवायु सुधार के लिए, 2035 तक, कम–से–कम 300 बिलियन डॉलर देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह धन विभिन्न स्रोतों से आएगा– इसमें सार्वजनिक, निजी, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और वैकल्पिक स्रोत भी शामिल हैं। इस वित्तपोषण को उपलब्ध कराने में विकसित देश अग्रणी भूमिका निभाएंगे और विकासशील देशों को स्वेच्छा से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। किंतु बाकू में निर्धारित वित्त लक्ष्य विकासशील देशों द्वारा मांगे गए धन और समय–सीमा से बहुत कम है– 2025 से विकसित देशों द्वारा हर साल इस मद में 1.3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जाने हैं। किंतु, न केवल यह आंकड़ा मांगी गई मात्रा से बहुत कम है बल्कि समय–सीमा भी बहुत दूर है। अब यह पैंतरा उत्तरी गोलार्ध मुल्कों की एक जानी–पहचानी रणनीति बन चुकी है कि किसी भी तत्काल प्रतिबद्धता से बचने के लिए एक कमजोर लक्ष्य और बहुत लंबी समय–सीमा तय कर देना। इसके अलावा, जिस वित्तपोषण का वादा किया गया है वह केवल अमीर मुल्कों से नहीं आएगा। विकासशील देशों को भी इसमें योगदान देना होगा। जाहिर है, इस प्रावधान ने विकासशील देशों को परेशान कर डाला है। वार्ता के अंत में, भारत, बोलीविया और नाइजीरिया ने इस लचर संधि पर अपनी चिंता व्यक्त की, जिसे आधिकारिक तौर पर 'जलवायु वित्त हेतु नवीन सामूहिक मात्रा निर्धारण लक्ष्य' का नाम दिया गया है। भारत ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप) के अध्यक्ष पर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में निहित बहुपक्षीय वार्ता के मानदंडों का पालन किए बिना समझौते को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया है। विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी की जरूरत है। इसके शमन के लिए धन की आवश्यकता है– उत्सर्जन को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता पड़ेगी। यानी अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं, ऊर्जा दक्षता, जीवित प्राकृतिक संसाधन और भूमि उपयोग का प्रबंधन, थलीय और जलीय जैव विविधता की सुरक्षा, स्वच्छ परिवहन आदि का इंतजाम करने वास्ते धन उपलब्धता। अतिरिक्त धन की दूसरी प्रमुख आवश्यकता अनुकूलन करने के वास्ते है– प्रतिकूल प्रभावों को अनुकूल बनाना और बदलती जलवायु के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना। उदाहरण के लिए, इसमें शामिल हैं : तूफान और बाढ़ का सामना करने लायक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए धन की जरूरत, वर्तमान बुनियादी ढांचा ऊपर उठते समुद्र तल से दूर स्थानांतरित करना, सूखे का सामना करने लायक फसलों के बीज विकसित करना और इनका वितरण। इसके अलावा, 'हानि एवं नुकसान' नामक तीसरी कार्रवाई के लिए धन की आवश्यकता है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में देशों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके। पिछले कुछ वर्षों में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत जलवायु वित्त के लिए अनेकानेक तंत्र और कोष बनाए गए हैं। इनमें वैश्विक पर्यावरण सुविधा, हरित जलवायु कोष, विशेष जलवायु परिवर्तन कोष, अल्प विकसित देशों का कोष, अनुकूलन कोष आदि शामिल हैं। हालांकि, हकीकत यह है कि विकासशील देशों को उपलब्ध करवाई जाने वाली इन निधियों में धन की आमद बहुत कम रही है। उदाहरणार्थ, ग्रीन क्लाइमेट फंड ने 2020–23 की अवधि के दौरान 129 विकासशील देशों में 243 परियोजनाओं के वास्ते कुल 13.5 बिलियन डॉलर देना मंजूर किया। अनुकूलन कोष ने 2010 से कई विकासशील देशों में 183 अनुकूलन परियोजनाओं के लिए 1.2 बिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई थी। वहीं अन्य तंत्रों से धन का प्रवाह और भी कम है। कुल मिलाकर, यूएनएफसीसीसी द्वारा प्रवर्तित निधियों और अन्य तंत्रों से उपलब्ध वित्त की मात्रा आवश्यकता से बहुत कम है। इसलिए, बाकू में मांग धन की मात्रा के साथ–साथ गुणवत्ता बढ़ाने की भी थी। लेकिन, धनी पश्चिमी देशों ने वित्तीय लक्ष्य को न्यूनतम रखने और समय सीमा यथासंभव लंबा खींचने के वास्ते हर संभव प्रयास किए। नए और अतिरिक्त वित्तपोषण के लिए प्रतिबद्धता बनाने की बजाय, मौजूदा विकास सहायता को जलवायु वित्तपोषण का ठप्पा लगाकर, नए रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। यह होने पर, बहुपक्षीय वित्तपोषण और विकास वित्तपोषण को जलवायु सहायता के रूप में गिना जाएगा। अब, निजी निवेश के अलावा विकास–बैंक ऋण और सरकारी खर्च द्वारा 'जुटाए गए' निजी वित्त भी बृहद जलवायु वित्त के अंतर्गत आएंगे। इन सबने विकासशील देशों को मिलने वाली मौजूदा विकास सहायता के अलावा मुख्य रूप से सार्वजनिक स्रोतों से प्राप्त वित्तपोषण की गुणवत्ता को भी कमजोर कर डाला है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प की वापसी और उनके जलवायु विरोधी रुख के हौवे से लाभ उठाते हुए, विकसित देशों ने कमजोर वित्तीय समझौते को आगे बढ़ाया। उन्होंने डर बनाया कि यदि अमेरिका बहुपक्षीय जलवायु ढांचे से बाहर निकल गया, जैसा कि ट्रम्प ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान किया था, तो इसके असर से यूएनएफसीसीसी पटरी से उतर सकता है। संयुक्त राष्ट्र प्रक्रिया के तहत, अमेरिका, यूरोपीय संघ और जापान सहित 24 विकसित देशों को विकासशील मुल्कों को जलवायु वित्त प्रदान करना है। यदि ट्रम्प के नेतृत्व वाला अमेरिका जलवायु प्रक्रिया से हट जाता है, तो अन्य विकसित देशों को अधिक बोझ उठाना पड़ेगा। इसलिए, विकसित देशों का प्रयास था कि कोई समझौता न बन सके। बाकू जलवायु समझौते से जलवायु परिवर्तन का कोई हल निकलेगा, इसकी संभावना नगण्य थी, क्योंकि वास्तविक धन उपलब्ध नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि जारी है और जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की दिशा में शायद ही कोई प्रगति हुई है। दुबई में हुए कॉप–28 में कोयला, तेल और गैस आधारित ऊर्जा से धीरे–धीरे परे हटने का आह्वान किया गया था। लेकिन इस आह्वान को मूर्त देने में बाकू में आगे कोई कदम नहीं उठाया गया। इसलिए, अगले कॉप सम्मेलन तक सब कुछ पूर्ववत्‌ चलता रहेगा।

जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी कांग्रेस ?

कमलेश पांडे

?कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह श्जीतश और श्गठबंधनश की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर श्सियासी बैशाखियोंश के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू–जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते श्वोटश और श्पैसाश दोनों लेतेध्लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीतध्जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू–गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं। अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं! वहीं, आज जब राहुल–प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत–विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है। माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीएध्महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसीध्बीजेपीध्तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया। चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी। अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव–गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति–नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन श्धनपशुओंश की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं। चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़–तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई। अब जब कांग्रेस की ट्रू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, ।

भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव: जनता के लिए भाग्यशाली जोड़ी

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के अभूतपूर्व प्रदर्शन को केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अश्विनी वैष्णव की सफलता के रूप में भी देखा जा रहा है। इस जोड़ी को पश्चिमी राज्य में लोकसभा चुनाव में मिली हार को पलटने का कठिन काम सौंपा गया था। उन्हें भाग्यशाली जोड़ी कहा जा रहा है क्योंकि पिछले साल के अंत में उन्होंने मध्य प्रदेश में भी जीत हासिल की थी, जहां उन्होंने कई कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी लहर को हराया था। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर से सिविल सेवक बने वैष्णव, जो अब राजनेता बन गए हैं, वोटिंग नंबरों की बारीकी से जांच करने और सुधारात्मक उपायों को लागू करने के लिए जाने जाते हैं, जबकि यादव ने विभिन्न जाति समूहों को अपने पक्ष में करने के लिए अपने सोशल इंजीनियरिंग कौशल का इस्तेमाल किया। भले ही वे महत्वपूर्ण केंद्रीय मंत्रालय संभालते हों, लेकिन वे एक महीने से अधिक समय से महाराष्ट्र में ही थे। मौजूदा सरकार के लिए, चुनाव स्पष्ट रूप से शासन से अधिक प्राथमिकता रखते हैं। कविताओं से बेहतर उनकी सफलता ने एक अन्य हाई–प्रोफाइल जोड़ी – शिवराज सिंह चौहान और हिमंत बिस्वा सरमा की विफलता को भी उजागर किया है, जो झारखंड में चुनाव के प्रभारी थे, जहां भाजपा बुरी तरह हार गई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बीच विधानसभा की कार्यवाही के दौरान एक दिलचस्प बातचीत हुई। कुमार ने यादव को इशारा किया, जिसके बाद यादव ने हंसते हुए हाथ के इशारों से जवाब दिया। कुछ देर तक यह रहस्यमय बातचीत चलती रही और अंत में दोनों नेताओं के चेहरे पर मुस्कान आ गई। सदन उन्हें अवाक होकर देखता रहा। संकेत नहीं समझ पाने के कारण कुछ लोगों ने इसे चाचा–भतीजे के बीच सामान्य बातचीत समझा, जबकि अन्य ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले कुछ पक रहा है। यादव ने यह कहकर भ्रम और बढ़ा दिया, ष्जो लोग समझने में सक्षम थे, उन्होंने सब कुछ समझ लिया।ष सूत्रों ने बताया कि कुमार ने यादव से पूछा कि क्या सब कुछ ठीक है, जबकि यादव ने सीएम की जैकेट की तारीफ की। जो भी हो, उन्होंने चर्चाओं को और बढ़ा दिया है। केंद्र बन गई हाल ही में हुए उपचुनावों में चारों विधानसभा सीटों से हारने के बाद राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद और उनके छोटे बेटे तेजस्वी यादव, जो पार्टी के मामलों को संभालते हैं, ने दैवीय शक्तियों को प्रसन्न करना बुद्धिमानी समझा। नतीजों के एक दिन बाद, वे मध्य प्रदेश के दतिया के लिए चार्टर्ड फ्लाइट से गए, जो बगलामुखी और वनखंडेश्वर महादेव को समर्पित पीतांबरा पीठ मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। प्रसाद को मंदिर के भीतर व्हीलचेयर का इस्तेमाल करना पड़ा और दोनों नेता वहां करीब एक घंटे तक रहे और विशेष प्रार्थना की। यह मंदिर सभी पार्टियों के नेताओं के बीच प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है कि जो लोग यहां प्रार्थना करते हैं, वे चुनाव में जीतते हैं। कई राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य नेता इस स्थान का दौरा कर चुके हैं। सच में, जनरल? पिता और पुत्र ने कथित तौर पर बिहार में 2025 के विधानसभा चुनावों के बाद लोगों की सेवा करने के लिए शक्ति के लिए प्रार्थना की। असम से कांग्रेस के सांसद गौरव गोगोई और रकीबुल हुसैन जून में लोकसभा चुनावों में अपनी शानदार जीत के बाद पार्टी के लिए चर्चा में थे, लेकिन उनके समर्थित उम्मीदवारों के क्रमशः बेहाली और समागुरी में विधानसभा उपचुनाव हारने के बाद वे मुश्किल में फंस गए हैं। विपक्ष में कांग्रेस के सहयोगियों ने हार और विपक्षी एकता के टूटने के लिए गोगोई की खुलकर आलोचना की है। कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग ने गोगोई और हुसैन पर उपचुनावों को "अपने और अपने प्रभाव के बारे में" बनाने का आरोप लगाया। राज्य कांग्रेस में अधिकांश लोग हार का कारण प्रयोग को मानते हैं, जबकि ध्यान लोकसभा के नतीजों की गति को भुनाने पर होना चाहिए था। कांग्रेस ने सभी पांच सीटें खो दीं, यहां तक ध्घकि वह सीट भी जो वह 2001 से जीत रही थी। केंद्रीय नेतृत्व के लिए यह समय है कि वह दंगा–रोधी कानून को पढ़े। प्रधानमंत्री ने ओडिशा के लोक सेवा भवन के राज्य सम्मेलन केंद्र में पुलिस महानिदेशकों और पुलिस महानिरीक्षकों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए एक अनूठा रिकॉर्ड बनाया। इंदिरा गांधी के बाद नरेंद्र मोदी सचिवालय, राज्य प्रशासन की सीट, के प्रवेश द्वार में प्रवेश करने और बैठक में भाग लेने वाले दूसरे प्रधानमंत्री बन गए। कई लोग आश्चर्य करते हैं कि सम्मेलन के लिए लोक सेवा भवन को ही क्यों चुना गया, जबकि यह राजभवन सहित किसी भी अन्य स्थान पर आयोजित किया जा सकता था। लेकिन अधिकारियों ने कहा कि नवीन पटनायक के नेतृत्व में बनाया गया सम्मेलन केंद्र सुरक्षा के दृष्टिकोण से सबसे सुरक्षित स्थान है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने लोक सेवा भवन में सम्मेलन आयोजित करने का फैसला इसलिए किया क्योंकि वह चाहते थे । कि प्रधानमंत्री राज्य की सत्ता के प्रतीक परिसर में कदम रखें। केरल में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) को उस समय झटका लगा जब अलपुझा जिला पंचायत सदस्य बिपिन सी बाबू भगवा खेमे में शामिल हो गए।

केन्द्र पर लघु/मध्यम वर्ग के किसानों को खरीद में प्राथमिकता दी जाये - जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कार्यालय क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, जलालपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्यालय में पोर्टल पर धान क्रय के संबंध में जानकारी ली जिसपर धान क्रय केन्द्र प्रभारी अर्पिता अग्रवाल के द्वारा बताया गया कि अभी तक केन्द्र पर लगभग 4285 कुं0 किसानों से धान क्रय किया गया है और 2700 कुंतल धान डिस्पैच कर दिया गया है। समीप स्थित धान क्रय केंद्र लालपुर, महिमापुर के निरीक्षण के दौरान मौके पर किसान गिरजा शंकर का लगभग 125 कुं0 और किसान हुबराज का लगभग 80 कुंतल धान क्रय किया जा रहा था। जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि केन्द्र पर अवशेष धान को सम्बन्धित मिलर को प्रेषण करना सुनिश्चित करें एवं केन्द्र पर लघुध्मध्यम वर्ग के किसानों को खरीद में प्राथमिकता दी जाये तथा आवक के अनुरूप प्रतिदिन खरीद करना सुनिश्चित करें। इस दौरान केन्द्र पर बैनर प्रदर्शित मिला बोरे पर्याप्त संख्या में उपलब्ध मिले।

कोतवाली नगर पुलिस ने किया चोरी के जेवरात व नकदी के साथ दो आरोपी को गिरफ्तार

अयोध्या। नगर कोतवाली पुलिस ने चोरी के जेवरात व नकदी के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किये गये आरोपियों ने शहर क्षेत्र में हुइ तीन चोरियों में शामिल होने की बात कबूली है।इनके पास से जेवरात, मोबाइल और आठ हजार रुपया बरामद हुआ है।प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी पांडेय ने बताया कि पुलिस ने मो. अकरम निवासी तकपुरा कोतवाली अयोध्या और रानू वरनवाल निवासी तेलिया गढ़ थाना गोसाईंगंज को सुबह कृष्णा नगर कालोनी मोड़ के पास से गिरफ्तार किया है।उन्होंने बताया कि आरोपियों ने देवकाली क्षेत्र स्थित मैरिज लान के कमरे से महिला के जेवर व दो मोबाइल, धनीराम का पुरवा निवासी महिला मीरा सिंह के घर से जेवर व नकदी तथा ओम पुरम कालोनी निवासी रमनदीप सिंह के घर की खिड़की तोड़ 25 हजार रूपये चोरी करने की बात कबूल की है। इनके पास से पुलिस ने पीली धातु के गहने, एक स्मार्टफोन और कुल 8100 रुपये बरामद हुआ है।

विवाह समारोहों में देवी देवताओं के वेशभूषा में नृत्य बंद हों - प्रो.अजय दुबे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपोलो वर्ल्ड स्कूल, पराऊगंज, कुटीर चक्के में आयोजित संगोष्ठी वर्तमान परिवेश में सामाजिक एवं वैवाहिक परंपराएं पर मुख्य वक्ता रोवर्स रेंजर्स जिला कमिश्नर तथा पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय के डीन प्रोफेसर अजय कुमार दुबे ने अपने उदबोधन में कहा कि वैवाहिक आयोजनों , जयमाल आदि के समय देवी देवताओं के वेशभूषा में आयोजित नृत्य अविलंब बन्द होने चाहिए तथा जन सामान्य द्वारा विरोध ा आवश्यक है। धन के अहंकार तथा मूर्ख अज्ञानी अभिभावकों को ज्ञात होना चाहिए कि वह भारतीय संस्कृ ति , सनातन परंपरा के सोलह संस्कारों में से एक संस्कार विवाह को पूर्ण करने जा रहे हैं, न कि उनके पुत्र या पुत्री जग जीतने जा रहे हैं। प्रोफेसर दुबे ने कहा कि फिल्मों , टीवी चौनलों तथा ध ारावाहिकों में दिखाए जाने वाले कार्यक्रम प्री वेडिंग सेरेमनी, गोद भराई ,रिंग सेरेमनी, हल्दी, मेहंदी कार्यक्रम आदि चोंचलेबाजी को मध यम वर्ग इतना ज्यादा महत्वपूर्ण समझने लगा है कि मूल वैवाहिक कार्यक्रम, मंत्रोच्चारण आदि को महत्वहीन समझने लगा है। जयमाल आदि का कार्यक्रम इतनी विलम्ब के साथ हो रहा है कि आये हुए शुभेच्छु भी आशीर्वाद देने की जगह नैराश्यवस्था में अर्धरात्रि में घर जाने की सोचता हुआ भावहीन, संवेदनहीन आशीष दे रहा है। जयमाल में इतना विलम्ब हो जाता है कि मूल वैवाहिक कार्यक्रम के समय मूर्ख अभिभावक कहते हैं कि पंडित जी बहुत देर हो गई है ज्यादा मंत्र न पढ़े बस एक घंटे में विवाह निपटा दीजिए, जबकि मंत्र उच्चारण और मुहूर्त के प्रभाव ही वैवाहिक कार्यक्रम में सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं। प्रबंधक प्रवीण मिश्र ने कहा कि वैवाहिक आयोजनों में सम्पूर्ण सड़क को इस तरह बाधित कर, अतिक्रमण कर के नृत्य , बैंड बाजा आदि बजाया जाता है कि कोई भी जनसामान्य, मरीज , एम्बुलेंस आदि भी अपने गंतव्य या अस्पताल नहीं पहुंच पाते हैं और प्रशासन आंखे बंद कर लेता है। मीडिया को भी जन जागरूकता बढ़ाने के लिए। दायित्व बोध अपेक्षित है।आयोजक तथा बारातियों को को सड़क यातायात के निर्बाध आवागमन पर ध्यान देना चाहिए। मृत्युंजय सिंह ने रात्रि 10 बजे के बाद बैंड बाजा पर रोक लगाने की आवश्यकता बताई।दुर्भाग्यपूर्ण है कि जनमानस भी पीड़ित होने के बावजूद कहीं भी विरोध दर्ज नहीं कराती है। संगोष्ठी में श्री धीरज, संतोष यादव एवं संजय मौर्या आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। अलोक कुमार त्रिपाठी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीजे नहीं बजाने पर बिच्छू गैंग के हमले मे आधा दर्जन लोग घायल

अयोध्या। तारुन थाना क्षेत्र में बिच्छू गैंग ने शनिवार रात फतेहपुर कमासिन गांव में एक प्रीति भोज में बज रहे डीजे को लेकर गैंग के लोगों ने हमला कर दिया। जिसमें छह लोग घायल हो गए।पीड़ित पक्ष ने चार महिलाओं सहित नौ आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर बिच्छू गैंग के लोगों की तलाश शुरू कर दी है।घायल मनोज कुमार निषाद ने बताया कि चचेरे भाई राहुल निषाद की बारात वापसी के बाद शनिवार को घर पर प्रीतिभोज का आयोजन किया गया था। इस दौरान घर पर डीजे बज रहा था। जिसे करीब नौ बजे बन्द करा दिया गया। इसी दौरान गांव निवासी बिच्छू गैंग का लीडर मोनू निषाद पुत्र पवन ने जबरिया डीजे बजाने के लिए उसके चालक सूरज और हिमांशु निवासी रामपुर भगन से गाली गलौज शुरू कर दिया। जब परिजन बीच बचाव के लिये पहुचे तो विपक्षी राम प्रवेश, जानकी, शिवम, दीपक, राम चन्द्र और मोनू ने अचानक लाठी डंडे से हमला बोल दिया। जिसमें साधू, लालमुना, विनोद, मनोज, मंजू लता और कुसुम व एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।मौके पर पहुचीं पुलिस ने कुछ लोगो को हिरासत में ले लिया लेकिन मुख्य आरोपी फरार हो गया।घायलों को सीएचसी लाया गया जहां से तीन लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाकाई लोगों का कहना है कि यह गैंग आए दिन क्षेत्र में बवाल कर लोगों को प्रताड़ित करते रहते हैं। इसी आतंक के चलते इन्हें क्षेत्र में बिच्छू गैंग के नाम से पुकारा जाता है। पुलिस से कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।इस संबंध मे थाना प्रभारी सुमित कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि बिच्छू गैंग का सरगना मोनू निषाद फरार हो गया है उसकी तलाश की जा रही है। हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है।

मिशन शक्ति फेज – 5.0 अभियान के तहत महिलाओ को सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अयोध्या। मिशन शक्ति फेज–5.0 अभियान के तहत अयोध्या महिला पुलिस टीम द्वारा विभिन्न स्कूल/पार्क/सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओंध्बालिकाओं/छात्राओं को सुरक्षा के प्रति जागरुक किया जा रहा है। सोमवार को इस अभियान के नोडल अधिकारी/एसपी ग्रामीण बलवंत सिंह के निर्देश पर सभी थाना क्षेत्रों मे महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओ व छात्राओं को उनके अधि ाकारों, सरकारी योजनाओं एवं विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों व नये कानून के बारे में जानकारी दिया।इस मौके पर उन्होंने स्कूली छात्राओंध्बच्चियों को गुड टच/बैड टच के बारे में बताया। इस मौके पर अनावश्यक रूप से पार्कों,स्कूलों के आस पास घूम रहे युवको से पूछताछ किया और संतोषजनक उत्तर देने के बाद ही उन्हें हिदायत देकर जाने दिया।यह अभियान नगर के साथ ही गांवों से लेकर गली, मोहल्ले, शिक्षण संस्थानों में चौपाल लगाकर बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिये चलाया गया।

मिशन शक्ति फेज–5.0 के तहत आत्मरक्षा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन–मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साइबर सुरक्षा हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट वितरित कर जानकारी दी गई।

24 वर्षो से शिक्षा, स्वास्थ्य,विकास प्राधिकरण सहित कई विभागों मे तैनात है कर्मी

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या।जिले के कई ऐसे विभाग है जहां पर 24 वर्षो से कई कर्मचारी अपनी कुर्सी पर काबिज हुए हैं।जबकि मानक के मुताबिक 3 साल से अधि ाक कोई भी कर्मचारी एक जिले में तैनात नहीं हो सकता है।लेकिन अयोध या जिले में कई ऐसे विभाग हैं जहां पर वर्ष 2000 से लेकर आज तक कई कर्मचारी इस विभाग में महत्वपूर्ण पदों पर बैठकर दोनों हाथों से मलाई खाने में जुटे हुए हैं।सवाल यह उठता है कि कई वर्षो से काबिज कर्मचारियों पर संबंधित विभाग के अधिकारियों का ध्यान जा नही रहा है या फिर वे अधिकारी चाहते हुए भी इनका कर्मचारियों का कुछ नहीं कर पा रहे हैं।जो कि एक सवालिया निशान बना हुआ है।देखा जाये तो विकास प्राधि ाकरण जब कभी चौक स्थित लायड गेट में विकास प्राधिकरण स्थापित हुआ था।उस समय उपाध्यक्ष अर्चना अग्रवाल व सचिव हरि प्रसाद तिवारी थे।उनके समय में तैनात कर्मचारी चाहे वरिष्ठ लिपिक हो या फिर चतुर्थ श्रेणी के कर्मी वे आज भी 24 साल से अधिक होने के बावजूद अयोध्या फैजाबाद विकास प्राधिकरण में तैनात हैं।इसी तरह शिक्षा विभाग में हो यहां एक ही छत के नीचे जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय,उप शिक्षा निदेशक कार्यालय,संयुक्त शिक्षा

निदेशक कार्यालय,संस्कृत विद्यालय निरीक्षक कार्यालय हो वहां पर भी 25 साल से अधिक होने के बावजूद भी यहां पर कई कर्मचारी अपना कब्जा बनाए हुए हैं।आज से कुछ वर्षों पूर्व जब जिले मे अमोद कुमार जिलाधि ाकारी थे तब उन्होंने इस मामले को संज्ञान में लेते हुए खासकर शिक्षा विभाग में वर्षों से काबिज कर्मचारियों को दूसरे जिले में ट्रांसफर कर दिया।लेकिन कुछ ही दिनों में दूसरे जिले में गए कर्मचारी नेताओं व मुख्यालय मे बैठे अधिकारियो के मिलीभगत से फिर उसी जिले में तैनाती पा गये।इसी तरह पुलिस विभाग,जिला अस्पताल,नगर निगम,बिजली विभाग, वन विभाग,लोक निर्माण विभाग, फायर विभाग,पर्यटन विभाग,जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय, सहायक बेसिक शिक्षा निदेशक कार्यालय सहित कई ऐसे विभाग हैं जहां पर वर्ष 2000 से लेकर आज तक कर्मचारी यहीं पर तैनात हैं।अब सवाल यह उठता है कि मानक के विपरीत इन कर्मचारियों की अगर तैनाती जिले मे इस विभागों मे है तो इसके जिम्मेदार कौन हैं संबंधित विभागों के अधिकारी अधिकारी या फिर विभिन्न सरकारों में रहे मंत्री या राजनेता,विधायक,सांसद।लेकिन एक बात तो तय है बिना किसी सांठगांठ के इतने सालों तक कोई भी कर्मचारी एक विभाग में तथा एक जिले में इतने लंबे समय तक नहीं रह सकता है।अब देखना यह है कि इस संबंध में जिला अधिकारी चंद्र विजय सिंह व संबंधित विभागों के अधिकारी क्या कदम उठातें

साइकिल सवार बहादुर राम भक्तों का लक्ष्मणपुरी (लखनऊ) में स्वागत समारोह आयोजित

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। सावरकर विचार मंच, उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में साइकिल सवार बहादुर राम भक्तों का लक्ष्मणपुरी (लखनऊ) में स्वागत समारोह आयोजित किया गया यह साइकिल सवार बहादुर राम भक्त पुणे से चलकर लखनऊ के रास्ते अयोध्या को राम मंदिर के दर्शन करने के लिए संकल्प यात्रा के साथ निकले हैं। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे श्री एल वेंकटेश्वर लू, अपर मुख्य सचिव, परिवहन विभाग ने बताया कि 500 वर्षों की तपस्या के उपरांत बने भव्य राम मंदिर का दर्शन करने का सौभाग्य हमको मिल रहा है। हम सभी बड़े सौभाग्य शाली है जो हजारों सालों की तपस्या के बाद और हजारों लोगों की कुर्बानियों के उपरांत यह दिन देखने को मिल रहा है मैं पुणे से आए सभी बहादुर राम भक्तों का स्वागत और अभिनंदन करता हूं इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर एसपी सिंह ने बताया कि सावरकर जी के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए ऐसे जन आंदोलन और ऐसे बहादुर राम भक्तों को आगे आना चाहिए जो अपने पुरुषार्थ के बल पर युवा पीढ़ी को संदेश देकर हिंदुत्व को जन–जन तक पहुंचाएंगे। आज सावरकर विचार मंच पर मैं सभी बहादुर राम भक्तों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं। विशिष्ट अतिथि आचार्य पारस मणि शर्मा जी ने राम मंदिर आंदोलन को विस्तार से बताया । अंत में सावरकर विचार मंच के संयोजक डॉ अजय दत्त शर्मा जी द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन किया गया साथ ही साथ सावरकर जी के विचारों और मूल मंत्र को जीवन में आत्मसात करने के आह्वान किया गया यह कार्यक्रम एसकेएसडी इंटर कॉलेज पेपर मिल कॉलोनी निशातगंज में आयोजित किया गया। आयोजन में सहभागी संस्थाएँ, पनुन कश्मीर लखनऊ, सनातन महासभा भारत, अ० म० ब्रह्म समाज, फोरसी इंडिया फाउंडेशन, लाल ब्रिगेड, बाबू सुंदर सिंह ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन लखनऊ अजय दत्त शर्मा।

एसएसपी ने सेवानिवृति हुए तीन उप निरीक्षको को स्मृति चिन्ह किया भेट

अयोध्या। शनिवार को पुलिस विभाग से तीन पुलिस कर्मियों के सेवानिवृति होने पर एसएसपी कार्यालय पर एसएसपी राज करण नैय्यर ने सम्मानित किया। मालूम हो कि उप निरीक्षक कुंवर बहादुर सिंह, उप निरीक्षक मुन्नर सिंह व उप निरीक्षक हरिनाम सिंह शनिवार को सेवानिवृति हुए थे।इस मौके पर एसएसपी राज करन नैय्यर व एसपी ग्रामीण बलवंत ने सेवानिवृत्ति हुए उप निरीक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट करते किया।इन दोनों अधिकारियो ने सेवानिवृति हुए पुलिस कर्मियों की पुलिस विभाग मे उनके द्वारा दिये गये योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ, सुखमय जीवन तथा दीर्घायु होने की कामना की।

यातायात सप्ताह के अंतिम दिन महादेव सेना ने बांटा हेलमेट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महादेव सेना द्वारा यातायात सप्ताह के अंतिम दिन बाबा केरारवीर मंदिर सद्भावना सेतु पर आम जनमानस का जीवन कितना अमूल्य है इसका ज्ञात कराते हुए निःशुल्क हेलमेट वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महादेव सेना के अध्यक्ष बिमल सिंह ने अतिथियों का स्वागत कर आरंभ किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एस0 पी0 सिटी अरविंद कुमार वर्मा, विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी शहर देवेश कुमार सिंह, ट्रैफिक इंस्पेक्टर जी. डी. शुक्ला व नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह द्वारा आमजनमानस को सड़क सुरक्षा से जुड़ी बुनियादी जानकारी से अवगत कराते हुए सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों को हेलमेट पहनाया जो बिना हेलमेट के सड़क पर वाहन चलाते जा रहे थे। सभी अधिकारियों ने पहले हेलमेट, फिर चाभीष' का संदेश देते हुए लोगों से यह अपील किया कि आगे से बिना हेलमेट वाहन न चलाए।

इस मौके पर महादेव सेना के जिला अध्यक्ष विमल सिंह ने कहा कि यह एक सामाजिक कार्य है लोगों की जीवन को बचाने के लिए हेलमेट का वितरण किया गया है सरकारी कार्यक्रम को देखकर मुझे भी अंदर से ऐसा महसूस हुआ कि सरकार के साथ हम लोगों को भी ऐसा कुछ करना चाहिए जिससे लोगों की जिंदगियों को बचाया जा सके। हम लोग प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में हेलमेट बांटते हैं और लोगों को यातायात के प्रति जागरुक करते हैं। साथ ही जिला प्रशासन का भी इसमें सहयोग लिया जाता है।

वह इस मौके पर क्षेत्राधिकार शहर देवेश कुमार सिंह ने कहा कि लोगों को यातायात के प्रति जागरूक हम लोग कर रहे हैं इसमें महादेव सेना भी बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रही है यह एक अत्यंत ही सराहनीय कदम है। सामाजिक संगठनों को भी इस प्रकार के कार्य करने चाहिए हम लोगों को सड़क पर ठीक ढंग से चलने के लिए और हेलमेट अवश्य लगाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। अक्सर दुर्घटनाओं में लोग सर की चोट के कारण अस समय मौत के गाल में समा जाते हैं। हेलमेट से उनकी सुरक्षा होगी हम जनता से अपील करते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग हेलमेट लगाकर निकले हैं जिससे वह अपने परिवार और खुद की रक्षा कर सके।

महादेव सेना के सचिव मनीष सेठ ने सभी अतिथियों,मीडिया बंधुओं व कार्यक्रम में उपस्थित कार्यक्रम संयोजक प्रशांत मिश्र,महादेव सेना जिलाध्यक्ष हरेराम केसरवानी,सचिव

मनोज सोनी कोमल,कोषाध्यक्ष सुमित साहू गोलू,संस्थापक सदस्य विष्णु ठठेरा, शशांक श्रीवास्तव, जिला उपाध यक्ष सुरेश सोनकर ,सह कोषाध्यक्ष किशन साहू आकाश प्रजापति,व्यवस्था प्रमुख अनिल सोनी नटखट,नगर अध यक्ष उत्तरी सुनील मोदनवाल पल्लू,उपाध्यक्ष मोहन सोनी,मंदिर पुजारी अभिषेक गोस्वामी,सूरज गोस्वामी,विवेक मौर्या, रामसकल मौर्या, मनीष राय,बृजेश निषाद पोलू, व अभिनेताधफिल्म निर्माता स्वराम शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

माउंट लिट्रा जी स्कूल के एनुअल फंक्शन में अंशिका खरे की मनमोहक प्रस्तुति ने सबका मनमोहा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। माउंट लिट्रा जी स्कूल के एनुअल फंक्शन के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी जिला अधिकारी दिनेश चंद्र पुलिस अधीक्षक डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ किया। वही कार्यक्रम में कक्षा 6 की छात्रा अंशिका खरे ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। अंशिका खरे की सुंदर प्रस्तुति ने सबका मनमोह लिया। माउंट लिट्रा जी स्कूल के डायरेक्टर अरविंद सिंह ने अंशिका खरे की सुंदर प्रस्तुति पर सम्मानित किया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना का आशीर्वाद भी दिया। माउंट लिट्रा जी के प्रबंधक अरविंद सिंह माउंट लिट्रा जी स्कूल की प्राचार्य श्वेता मिश्रा ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हिंदू रक्षा समिति द्वारा बांग्लादेश में हिंदू पर हो रहे अत्याचार को लेकर विरोध प्रदर्शन कल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हिंदू रक्षा समिति और गंगा समग्र द्वारा बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा और अत्याचार के विरोध में जन आक्रोश यात्रा प्रदर्शन का आयोजन 3 दिसंबर मंगलवार को नगर की विसर्जन घाट से किया जाएगा। इस संबंध में गंगा समग्र की आवश्यक बैठक सोमवार को गोमती भाग संयोजक भृगु नाथ पाठक की अध्यक्षता में केंद्रीय कार्यालय पर हुई। जिसमें सर्वसम्मति से मंगलवार दोपहर 12:00 बजे सभी लोग विसर्जन घाट पर एकत्रित होंगे तदुपरांत वहां से विभिन्न हिंदूवादी संगठनों के एकत्रीकरण के बाद नगर के अटाला मस्जिद भंडारी स्टेशन सब्जी मंडी कोतवाली चौराहा चहारसू चौराहा ओलंदगंज होते हुए जुलूस पुनः विसर्जन घाट पर जाकर समाप्त होगी।

सभी संगठनों ने समस्त हिंदू भाइयों से निवेदन किया है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में एकत्रित होकर इस यात्रा को सफल बनाते हुए देश में अपनी एक जुटाता का परिचय दें। इस अवसर पर डा अभिषेक श्रीवास्तव प्रांत संयोजक , डा संजीव मौर्य जिला संयोजक अवनीश उपाध्याय अतुल कुमार सिंह मोतीलाल गोविंद मोदनवाल आदि लोग मौजूद रहे।उक्त जानकारी मीडिया प्रभारीध्संचारआयाम प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने दिया।

सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल, भर्ती

अयोध्या। रविवार को इनायत नगर थाना क्षेत्र मे सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज जिला चिकित्सालय में चल रहा है। बताते चले कि रविवार को दोपहर मे थाना इनायत नगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मेहदौना में बाइक से आ रहे दो युवक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क दुर्घटना में घायल दोनों बाइक सवार अपने घर मेहदौना जा रहे थे।जब वे पंचायत भवन के पास मौजूद टर्न पर पहुचे ही थे कि उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पंचायत भवन की बाउंड्री वॉल से टकरा गई। सड़क दुर्घटना में घायल दोनों युवकों की पहचान अबूशहमा (22),मासूम अली (25) निवासी ग्राम मेहदौना थाना इनायत नगर के रुप मे हुई। दोनों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

चाइनीज मांझा की चपेट में आने व्यापारी घायल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के कस्बे के मछरट्टा के पास पतंग उड़ा रहे युवकों के चाइनीज मांजे ने रविवार को एक व्यापारी को घायल कर दिया, जिसके बाद व्यापारी की गर्दन में 13 टांके लगाए गए। जानकारी के अनुसार सुमित सेठ 25 पुत्र राजकुमार सेठ जफराबाद के शेखवाड़ा मोहल्ले में अपने घर मे ही दुकान चलाता है, बाइक से दुकान का सामान लेकर शहर से घर की ओर जा रहा था। जब वह मछरट्टा पर पहुंचा ही था कि चाइनीज मांझा की चपेट में आगे, जिससे वह घायल हो गया। परिजनों ने उसे नगर कर एक निजी अस्पताल में सुमित सेठ को भर्ती कराया। जहाँ उसे 13 टांके लगाये गए।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी बोले- अत्याचार पर सरकार करे हस्तक्षेप

लखनऊ ,(संवाददाता)। बांग्लादेश में इस्कॉन मंदिर के पुजारी को गिरफ्तार किया गया है। इस पर यूपी के अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। उन पर कई तरह के

आरोप लगाए जा रहे है। कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, वह गलत है। भारत सरकार को इस पर कुछ करना चाहिए। जब तक सरकार कुछ नहीं कहती या करती है, तब तक बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अन्याय होता रहेगा। जो लोग बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार कर रहे हैं, सरकार और पुलिस उनका समर्थन कर रही है।

इससे राज्य में शांति सौहार्द बिगड़ा... पर सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत : अवधेश प्रसाद

लखनऊ ,(संवाददाता)। फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि संभल हिंसा के कारण प्रदेश में शांति और सौहार्द का माहौल बिगड़ा है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने राहत दी है। उन्होंने कहा कि हम सभी लोग महंगाई और बेरोजगारी जैसे मामले संसद में उठाना चाहते थे लेकिन सरकार संसद नहीं चलने दे रही है जिससे कि इसकी

कमियां सामने न आ जाएं। उन्होंने कहा कि युवा और किसान देश की रीढ़ होते हैं। युवा बेरोजगारी से परेशान है। महंगाई से जनता परेशान है। पीएम मोदी ने सरकार बनने पर महंगाई कम करने का वादा किया था पर जनता को कोई राहत नहीं मिली है।

तेज रफ्तार वाहन से भिड़ी पिकअप, एक की मौत

लखनऊ ,(संवाददाता)। यूपी के अमेठी में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पिकअप रविवार की तड़के तेज रफ्तार वाहन से भिड़ गई। हादसे में चालक की मौत हो गई। जबकि परिचालक बुरी तरह घायल हो गया। घायल को यूपीडा कर्मियों ने एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। हादसा बाजार शुकुल थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के माइन स्टोन 68.5 भटमऊ गांव के समीप हुआ। यहां एक पिकअप कानपुर से छेना पाउडर लेकर आजमगढ़ जा रही थी। चालक आरिफ पुत्र पप्पू (26), निवासी थाना असीवन, जनपद उन्नाव गांव के ही लालजी पुत्र राजेंद्र शुक्ला (35) के साथ आजमगढ़ जा

रहा था। भटमऊ गांव के समीप तेज रफ्तार ट्रक से भिड़ंत हो गई। यूपीडा कर्मियों द्वारा दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाजार शुकुल पहुंचाया। इसमें चालक आरिफ को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि कंडक्टर लालजी का इलाज चल रहा है। थाना प्रभारी दयाशंकर मिश्र ने बताया कि मृत्यु को घायलों के परिजन को सूचना दी गई है। शव को कब्जे में लिया गया है। परिजनों के आने के बाद तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मर चुके किसान को जिंदा बताकर बेच डाला खेत

लखनऊ,(संवाददाता)। एक वर्ष पूर्व मर चुके किसान को जिंदा बताकर उसकी जगह दूसरे व्यक्ति को खड़ा कर फर्जी ढंग से जमीन बेच डाली गई। किसान की पत्नी ने जमीन खरीदने वाले सहित सहित चार के खिलाफ मोहनलालगंज थाने में केस दर्ज कराया है। पीजीआई के तेलीबाग निवासी विमला देवी की निगोहां के उदयपुर में कृषि योग्य जमीन है। महिला के अनुसार पति अवध राज सिंह की एक वर्ष पहले मौत हो चुकी है। एक माह पूर्व खेत पहुंची तो पता चला कि किसी ने कब्जा कर लिया है। पूछने पर बताया कि उसके पास जमीन के कागजात हैं। महिला ने सीएम पोर्टल पर शिकायत की। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने जांच कराई तो पता चला कि महिला के मर चुके पति की जगह दूसरे व्यक्ति को खड़ा कर फर्जी ढंग से जमीन बेची गई थी। बेची गई जमीन की दाखिल खारिज भी हो चुकी है। शुक्रवार को मोहनलालगंज थाने में जमीन खरीदने वाले आशियाना के हेतराम पाल, रायबरेली के कथित वकील के. चंद्रा, पतौना गांव के रज्जन लाल व नगराम के भूपेंद्र नाथ पर मोहनलालगंज थाने में केस दर्ज कराया है।

चक्रवाती तूफान फेंगल से चार फ्लाइटें निरस्त

लखनऊ,(संवाददाता)। चक्रवाती तूफान फेंगल का असर लखनऊ आने जाने वाले विमानों पर भी पड़ा। तूफान की तीव्रता के मद्देनजर शनिवार दोपहर बाद चेन्नई एयरपोर्ट बंद कर दिया गया। इसके चलते वहां जाने वाली उड़ानें भी निरस्त कर दी गईं। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक चेन्नई से लखनऊ की इंडिगो की फ्लाइट 6ई 515 और इंडिगो की ही 6ई 515 लखनऊ से देहरादून निरस्त कर दी गई। देहरादून से लखनऊ आने वाले विमान 6ई 518, लखनऊ से चेन्नई जाने वाले 6ई 518 को भी निरस्त कर दिया गया।

गायों के चारे में कमीशन का खेल, सचिव और ग्राम प्रधान से लेकर आपूर्तिकर्ता तक शामिल

लखनऊ ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गो आश्रय स्थल में गोवंश के चारे, चोकर, चूनी व भूसे की आपूर्ति में किस तरह भ्रष्टाचार हो रहा है। इसकी तस्दीक प्रधान, सचिव व आपूर्तिकर्ता की बहस का एक वायरल ऑडियो खुद ही तस्दीक कर रहा है। फिलहाल मामले में बीडीओ ने कार्रवाई की बात कही है। हालांकि, अमर उजाला वायरल ऑडियो की हकीकत की पुष्टि नहीं करता। मामला मोहनलालगंज क्षेत्र की ग्राम पंचायत खुजौली का है, जहां के गो आश्रय केंद्र में पहुंचने वाले हरा चारा, चूनी, चोकर व भूसे की 80 हजार रुपये की कमीशनबाजी को लेकर प्रधान, सचिव व आपूर्तिकर्ता में फोन पर ही बहस हो गई। इसके बाद एक पक्ष ने पूरी बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। वायरल ऑडियो में सचिव चारा आपूर्ति करने वाले एक व्यक्ति को सजातीय होने का हवाला देते हुए चूनी, चोकर, हरे व सूखे चारे की आपूर्ति में बने 80 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। इसमें कहा, ठेका दिलाया लेकिन फिर भी कमीशन फंसा दिया। इसके बाद चारा आपूर्ति करने वाले व्यक्ति ने कथित प्रधान को फोन मिलाकर कमीशन फंसाने का आरोप लगाया। कथित ग्राम प्रधान ने कहा, एक गाड़ी चारा 30 हजार का होता है, लेकिन 40 हजार देने की बात कही। जानकार बताते हैं कि अगर जांच हो तो इलाके में बड़े चारा घोटाले का खुलासा हो सकता है। ग्राम पंचायत, ब्लॉक से लेकर जिले पर बैठे लोग बेनकाब हो सकते हैं। गो आश्रय केंद्रों तक चूनी चोकर पहुंचता ही नहीं। लेकिन हर महीने एक से डेढ़ लाख रुपये के फर्जी बिल लगाकर रकम का बंदवारा किया जा रहा है। खुजौली के ग्राम पंचायत सचिव अकरम अंसारी ने बताया कि चारा आपूर्ति करने वाले इबरार से हमने कमीशन नहीं मांगा। पूर्व प्रधान ने इबरार को परेशान किया था। इसलिए हमने अपने कार्यकाल में काम दिला दिया था। वायरल ऑडियो सुनने के बाद सचिव से स्पष्टीकरण तलब किया गया है। मामले में सचिव के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

इंस्पेक्टर की बेटी से पर्स लूट, छीना-झपटी में गिरकर घायल

लखनऊ ,(संवाददाता)। विकासनगर इलाके में बच्चों के साथ स्कूल जा रहीं बलरामपुर में तैनात इंस्पेक्टर की बेटी से दिनदहाड़े बाइक सवार बदमाशों ने पर्स लूट लिया। पर्स बचाने व छीना-झपटी में वह सड़क पर गिरकर घायल हो गईं। इससे उनके पैर व हाथ में चोट आ गई। पीड़ित ने विकासनगर थाने में लूट का केस दर्ज कराया है। जानकीपुरम गार्डन निवासी रीना चौहान के पिता ओपी चौहान बलरामपुर में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। पति गुलाब चौहान वाराणसी में प्राइवेट इंस्टीट्यूट चलाते हैं। रीना की बेटी अनवी व बेटा आर्यन अलीगंज सेक्टर-ओ स्थित एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं। रीना ने बताया कि शुक्रवार को बच्चों के स्कूल में कार्यक्रम था। दोपहर 11 बजे वह पैदल बच्चों के स्कूल जा रही थीं। संजीवनी वाटिका पर्स के पास एक बाइक सवार दो बदमाश उनके पास आकर रूके। इस पर उन्होंने पर्स को कसकर पकड़ लिया। रीना ने बताया कि वह मोबाइल फोन पर भाई से बात कर रही थीं। तभी लुटेरे पर्स छीनने लगे। पर्स बचाने और छीना-झपटी के दौरान सड़क पर गिरने से हाथ-पैर में चोट आ गई। इस बीच बदमाश वहां से भाग निकले। रीना ने पुलिस कंट्रोल और पिता को सूचना दी। कुछ ही देर में विकासनगर पुलिस पहुंच गई। बाइक सवार लुटेरों को इधर-उधर पुलिस ने तलाशा, पर पता नहीं चल। एसओ विकासनगर विपिन सिंह ने बताया कि लुटेरों पर केस दर्ज कर तलाश की जा रही है। बाइक सवार लुटेरों ने बिना नंबर की बाइक का प्रयोग किया था। नीले रंग की बाइक सवार एक बदमाश ने हेलमेट और दूसरे ने मास्क पहन रखा था। पुलिस को सीसीटीवी कैमरों की मदद से बाइक सवार लुटेरों की फुटेज मिली है। फुटेज में बदमाश टेढ़ी पुलिया से सीतापुर रोड की तरफ जाते दिखे हैं।

भारी वाहनों में ब्रेक से छेड़छाड़, उठे मिले टायर

लखनऊ,(संवाददाता)। सड़क पर दौड़ रहे भारी वाहनों से आए दिन हादसे हो रहे हैं। बढ़ते हादसों के पीछे का कारण पता करने के लिए अमर उजाला की टीम ने शनिवार को जिले से गुजरे राजमार्गों पर खड़े भारी वाहनों की पड़ताल की तो चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। पता चला कि बेहतर माइलेज, कम मेंटेनेंस और टायर बचाने के लिए एक एक्सल के चार पहियों से इमरजेंसी ब्रेकिंग सिस्टम हटा हटा दिया जा रहा है। चार पहियों से ब्रेकिंग सिस्टम हटाने पर ब्रेकिंग क्षमता घट जाती है। इससे 10 फीट के बजाय 14-15 फीट पर वाहन रुकते हैं। ऐसे में हादसे की आशंका बढ़ जाती है। ट्रक, डंपर जैसे भारी वाहन कई टन माल लादकर हजारों किलोमीटर का सफर तय करते हैं। ये वाहन ज्यादातर 10 टायरों वाले होते हैं। कुछ इससे ज्यादा के भी होते हैं। ऑटोमोबाइल कंपनियां ऐसे वाहनों में सेंट्रलाइज्ड हाइड्रोलिक ब्रेक सिस्टम लगाती हैं। टायर के हर सेट में ब्रेक एक्चुएटर फिट किए जाते हैं। ब्रेक लगाने पर सभी टायरों पर हाइड्रोलिक प्रेशर बनता है और वाहन तकरीबन 10 फीट की दूरी पर रुक जाता है। ऐसा तब होता, जब सभी टायरों में ब्रेकिंग सिस्टम लगा हो, लेकिन वाहन स्वामी व चालक बेहतर माइलेज, मेंटेनेंस लागत घटाने और टायरों को घिसने से बचाने के लिए चार टायर के सेट वाले एक एक्सल से ब्रेकिंग सिस्टम हटा देते हैं। वहीं, आगे और पीछे टायरों में कंपनी फिटेड ब्रेकिंग सिस्टम बनाए रखते हैं। एक एक्सल से ब्रेक हटने पर गाड़ी की ब्रेकिंग क्षमता घट जाती है और वाहन 10 के बजाय 14 से 15 फीट दूर जाकर रुक पाता है। यह चार-पांच फीट की अतिरिक्त दूरी अक्सर जानलेवा बन जाती है। टायरों को घिसने से बचाने के लिए कंप्रेशर से एक एक्सल के चार पहियों को ऊपर उठा देते हैं। नाम न छापने की शर्त पर चालक बताते हैं कि आरटीओ की चेकिंग से बचने के लिए कंप्रेशर से फिर चारों पहिये नीचे कर देते हैं। चालान से बचने के लिए नंबर प्लेट खुरच दी जाती है।

निलंबन पर रोक के बाद रजिस्ट्रार ने संभाला चार्ज

लखनऊ,(संवाददाता)। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव के निलंबन आदेश पर हाईकोर्ट से रोक लगने के बाद कुलसचिव ने फिर से नौकरी जॉइन कर ली है। इस संबंध में उन्होंने कुलपति को सूचना भी भेज दी है। ऐसे में अब एक ही विवि में दो कुलसचिव तैनात होने से विद्यार्थियों और शिक्षकों में ऊहापोह की स्थिति है। बीबीएयू के कार्यवाहक कुलपति प्रो. एनएमपी वर्मा ने गत सप्ताह विवि के कुलसचिव डॉ. अश्विनी सिंह को निलंबित करते हुए उन्हें पुस्तकालय से संबद्ध कर दिया था। उनके स्थान पर विश्वविद्यालय में गृह विज्ञान विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. यूवी किरण को कार्यवाहक रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया था। निलंबन के बाद रजिस्ट्रार को 18 बिंदुओ की चार्जशीट भी थमाई गई थी, इसमें उन पर अपने करीबियों को लाभ देने के साथ ही 20 करोड़ रुपये की धांधली के आरोप भी लगाए गए थे। निलंबित कुलसचिव डॉ. अश्विनी सिंह ने कुलपति को निलंबित करने का अधिकारी न मानते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को उनके निलंबन आदेश पर रोक लगा दी। साथ ही पूरे मामले में विवि को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आदेश भी दिया है। वहीं कोर्ट से राहत मिलने के बाद कुलसचिव ने बताया कि उन्होंने नौकरी जॉइन कर ली है और इसकी सूचना भी कुलपति को भेज दी है। बताया, सोमवार से वह सभी कार्यालयी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

महिला की हत्या कर शव को फंदे से लटकाया

लखनऊ,(संवाददाता)। घर में घुसकर दिनदहाड़े एक महिला की न सिर्फ हत्या कर दी गई, बल्कि मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे से लटका दिया गया। महिला की बड़ी बेटी स्कूल से घर आई तो वारदात का पता चला। महिला के चेहरे पर चोट के निशान थे। कमरे के बाहर रखे छप्पर के नीचे खून के धब्बे मिले। पीड़ित परिवार ने महिला ग्राम प्रधान के देवर के खिलाफ हत्या की तहरीर दी है। गुरुबख्शगंज थाना क्षेत्र के जैतीपुर गांव निवासी पवन कुमार पुत्र स्व. गंगाराम का विवाह करीब 13 साल पहले इसी थाना क्षेत्र के पूरे पांडेय मजरे भीतरगांव गांव की रहने वाली सन्नो देवी (35) के साथ हुआ था। सन्नो व पवन के तीन संतानें हैं। सन्नो के पति पवन राजस्थान में मजदूरी करके परिवार चलाते हैं। शनिवार की दोपहर बाद सन्नो की बड़ी बेटी लक्ष्मी स्कूल से वापस लौटी तो उसने अपनी मां को कमरे के छत के कुंडे से रस्सी के सहारे लटकते हुआ देखा। एक व्यक्ति को घर से भागते हुए देखा। शोर मचाने पर पड़ोसी एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी। सीओ लालगंज अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर आकर पड़ताल की। शव को नीचे उतरवाया। जांच के दौरान फोरेंसिक टीम ने खून के धब्बे के सैंपल लिए। महिला के होंठ पर चोट के निशान थे। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि उसे मुक्का मारा गया है या फिर अन्य किसी वस्तु से चोट पहुंचाई गई। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला के भाई जिन्नर पुत्र बरातीलाल ने महिला ग्राम प्रधान पिंकी पत्नी राजेंद्र कुमार के देवर रिंकू के खिलाफ हत्या कर शव को फंदे से लटकाने की तहरीर दी है। केस दर्ज किया जा रहा है। आरोपी की तलाश की जा रही है। महिला की हत्या की वारदात के बाद परिजन जहां गगमीन हैं, वहीं घटना को लेकर नाराजगी है। महिला की हत्या पीछे की वजह प्रेम-प्रसंग या फिर कुछ और... इसकी जांच पुलिस कर रही है। चर्चा है कि आरोपी रिंकू जम्मू कश्मीर में भट्ठे पर नौकरी करता था। शनिवार को ही गांव आया था।

एनआर महाप्रबंधक ने आपात स्थितियों से निपटने के इंतजाम जांचे

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा शनिवार को लखनऊ में थे। उन्होंने चारबाग रेलवे स्टेशन व आलमबाग कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप का दौरा किया। स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को उत्कृष्ट बनाने के निर्देश दिए। उनके साथ उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम सचिंद्र मोहन शर्मा मौजूद रहे। सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा अपने दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे थे। पहले दिन उन्होंने लखनऊ अयोध्या रेलखंड का निरीक्षण किया। वहीं दूसरे दिन शनिवार को चारबाग रेलवे स्टेशन का दौरा किया। उन्होंने चारबाग स्टेशन के अपग्रेडेशन के बाबत अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने यात्री सुविधाओं, डॉरमेट्री, वेटिंग हॉल, कैफेटेरिया व साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने चारबाग स्टेशन की सेकेंड एंट्री पर चल रहे निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। इसके बाद वह आलमबाग

स्थित कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप पहुंचे। जहां सीएंडएम लैब, ट्रिमिंग, पेंट व सैलून शॉप, एलएचबी इलेक्ट्रॉनिक्स शॉप आदि जगहों का निरीक्षण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने किसी भी प्रकार की आपात स्थित से निपटने के लिए कार्यशाला में किये गए प्रबंधों की जानकारियां हासिल की। अग्निशमन यंत्रों को जांचा। स्टेशन व वर्कशॉप का निरीक्षण करने के बाद महाप्रबंधक हजरतगंज स्थित डीआरएम कार्यालय गए। वहां आला अफसरों के साथ मंडल में चल रहीं परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कार्यक्रम में अपर मण्डल रेल प्रबंधक नीलिमा सिंह उपस्थित रहीं।

सड़क हादसों में तीन की मौत, एक घायल

लखनऊ ,(संवाददाता)। शहर में अलग-अलग हुए सड़क हादसों में प्राइवेट कंपनी कर्मी, ठेकेदार व एक दुकानदार की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। हादसा बिजनौर, सुशांत गोल्फ सिटी और पारा इलाके में हुआ। काकोरी स्थित चकौली के रहने वाले राजेश कुमार (28) दोस्त मनोज राजपूत के साथ एक परिचित को देखने बिजनौर के औरंगाबाद बाइक से शुक्रवार शाम गए थे। भाई सुशील ने बताया कि लौटते समय बिजनौर स्थित न्यू गड़ौरा शहीद पथ सर्विस लेन के पास ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे राजेश व मनोज घायल हो गए। पुलिस दोनों को ट्रामा सेंटर ले गई, जहां राजेश की मौत हो गई। मनोज की हालत गंभीर बनी हुई है। राजेश प्राइवेट नौकरी करते थे। 16 अक्तूबर को उनकी सगाई हुई थी, फरवरी में शादी तय थी। सुलतानपुर के मीरपुर भरोसा के रहने वाले सिद्धार्थ सिंह (42) गोमतीनगर विस्तार के खरगापुर में रहकर कंस्ट्रक्शन की ठेकेदारी करते थे। भाई विवेक ने बताया कि सिद्धार्थ शुक्रवार देर रात सुलतानपुर से बस से लखनऊ स्थित घर के लिए निकले थे। भोर में सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अहिमामऊ के पास शहीद पथ अंडरपास के पास पैदल जा रहे थे, तभी अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें अपेक्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। बंथरा के दराब नगर बरकोता के रहने वाले वीरेंद्र दीक्षित (44) की हरौनी बंथरा में कपड़े की दुकान है। बेटे विशाल ने बताया पिता शुक्रवार शाम पारा गए थे। रास्ते में पारा के फतेहगंज मोड़ के पास वह घायल अवस्था में पड़े मिले। पुलिस ने उन्हें ट्रामा सेंटर पहुंचाया व घरवालों को खबर दी। इलाज के दौरान शनिवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि आशंका है कि अज्ञात वाहन की टक्कर से वीरेंद्र की मौत हुई है।

टेंडर से लेकर निर्माण तक में हेराफेरी, सीबीआई जांच में मिले अहम सुराग

लखनऊ,(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आउटर रिंग रोड बनाने में भ्रष्टाचार को अंजाम देने की जांच कर रही सीबीआई ने अफसरों का ब्योरा मांगा है। टीम ने दस दिन पहले ही ठोस सुराग जुटा लिए थे। टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ मिलकर करीब सौ किमी लंबी रिंग रोड की औचक जांच की थी। सड़क की गुणवत्ता सही न मिलने पर सीबीआई ने एनएचएआई से प्रोजेक्ट की शुरुआत से लेकर अब तक तैनात रहे अफसरों का ब्योरा तलब किया है। जल्द सीबीआई केस दर्ज कर विवेचना शुरू करने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो सीबीआई की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रिंग रोड के निर्माण के लिए टेंडर में तमाम अनियमितताएं की गईं। एनएचएआई के अधिकारी गुजरात की सद्भाव इंजीनियरिंग कंपनी पर मेहरबान रहे और उसे लगातार काम देते रहे। समय से काम पूरा नहीं करने पर भी उस पर ठोस कार्रवाई नहीं की। इसमें एनएचएआई के दो वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इस दौरान निर्माण कार्य करने वाली दो कंपनियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू हो गया। लखनऊ और कानपुर में सद्भाव इंजीनियरिंग लिमिटेड के खिलाफ दो मुकदमे भी दर्ज करा दिए गए। सीबीआई इनका परीक्षण कर विधिक राय ले रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर इनकी जांच भी टेकओवर की जा सके। सीबीआई ने मामले पर स्वतरू संज्ञान लेते हुए प्रारंभिक जांच शुरू की, जिसके बाद 22 नवंबर को एनएचएआई के अधिकारियों के साथ आउटर रिंग रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान कई जगह निर्माण कार्य अधूरा मिला। जहां काम पूरा हो चुका था, वहां सड़क कई जगह क्षतिग्रस्त मिली। चार दिन पहले सीबीआई ने एनएचएआई के कार्यालय जाकर कई दस्तावेज अपने कब्जे में लिए। हालांकि, अभी तमाम दस्तावेज सीबीआई को सौंपे नहीं गए हैं।

सूर्य नमस्कार से मजबूत होती हैं मांसपेशियां

लखनऊ,(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से नवीन परिसर के विश्वकर्मा सभागार में 'योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा का मांसपेशियों पर प्रभाव' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भातखंडे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि योग और संगीत का गहरा संबंध है। योग के विभिन्न आसनों और प्राणायामों के अभ्यास से शरीर की मांसपेशियों में लचीलापन आता है। मांसपेशियां मजबूत होती हैं। डॉ. अमरजीत ने कहा कि सूर्य नमस्कार हमारी मांसपेशियों को मजबूत बनाने का काम करता है। प्रो. आरजी सिंह ने बताया कि धनुरासन, भुजंगासन तथा प्राणायाम के अभ्यास से पेट और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इनमें रक्त संचार अच्छे से होता है। शरीर के सौंदर्य के लिए मांसपेशियों का स्वस्थ रहना आवश्यक है। प्रो. बलवंत सिंह, प्रो. अशोक कुमार सोनकर आदि उपस्थित रहे।

बस में महिला के ट्रॉली बैग से जेवर चोरी

लखनऊ,(संवाददाता)। बहन की शादी में बस से कानपुर जा रही महिला के ट्रॉली बैग से करीब पांच लाख के जेवर चोरी हो गए। आलमबाग पुलिस ने बस में चेकिंग कराई, लेकिन कुछ नहीं मिला। आलमबाग पुलिस ने घटनास्थल चारबाग बता पीड़ित को नाका थाने भेज दिया। अयोध्या के भलसर रुदौली जनपद अयोध्या निवासी अकीला उर्फ सिदरा शनिवार सुबह दो बच्चों व देवर मो. अदनान के साथ अयोध्या से कैसरबाग बस से पहुंचीं। यहां उनकी मां जहरून निशा खड़ी थीं। देवर उन्हें कैसरबाग बस अड्डे पर छोड़कर चला गया। अकीला, मां व बच्चों के साथ ऑटो से चारबाग बस स्टैंड पहुंचीं।

31 जनवरी तक 1551 गांव बनेंगे मॉडल

लखनऊ,(संवाददाता)। स्वच्छ भारत मिशन की हकीकत देखने के लिए शनिवार को पंचायतीराज निदेशक अटल कुमार राय की टीम आई। सतांव ब्लॉक के दरीबा में निर्मित जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर (डीपीआरसी), रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद डीपीआरसी में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जिले के सभी 1551 राजस्व गांवों को 31 जनवरी 2025 तक मॉडल घोषित कर दिया जाए। इसमें कतई लापरवाही न बरती जाए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।